राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड
प्रेस विज्ञप्ति–1

गांधी शास्त्री जयंती पर राजभवन में हुआ कार्यक्रम

राज्यपाल श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर किया माल्यार्पण

राज्यपाल ने राजभवन सचिवालय परिसर में स्वच्छता कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए झाड़ू लगाई।

सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त होगा राजभवन। राज्यपाल ने दिए निर्देश।

प्लास्टिक की पानी की बोतलों का अब प्रयोग नहीं होगा।

पर्यावरण संरक्षण हेतु और प्रदूषण रोकने के लिए ग्रीन स्टेप्स उठाएगा राजभवन

राजभवन देहरादून 02 अक्टूबर, 2019

राज्यपाल श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने बुधवार को गांधी व शास्त्री जयंती के अवसर पर राजभवन में महात्मा गांधी एवं स्व.लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राजभवन में रामधुन एवं भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री श्री सतपाल महाराज, विधायक श्री हरबंस कपूर, श्री देशराज कर्णवाल, श्रीमती मुन्नी देवी शाह, सचिव श्री राज्यपाल श्री रमेश कुमार सुधांशु सहित राजभवन के समस्त अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। भारतखण्डे संगीत विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने गांधी जी के प्रिय भजनों का प्रस्तुतीकरण दिया। इस अवसर पर राज्यपाल श्रीमती मौर्य ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री भारत भूषण को सम्मानित भी किया। **कार्यक्रम के पश्चात राज्यपाल श्रीमती मौर्य ने राजभवन परिसर में राजभवन के सभी अधिकारी व कर्मचारियों के साथ सफाई अभियान में प्रतिभाग किया।**

गांधी जयंती के अवसर पर राज्यपाल श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने राज्यपाल सचिवालय और राजभवन परिसर को पूर्ण रूप से सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त करने के निर्देश दिये हैं। राज्यपाल ने राजभवन की

बैठकों और कार्यक्रमों में प्लास्टिक बोतल बंद पानी बंद करने के निर्देश दिये। उन्होंने सचिव श्री रमेश कुमार सुधांशु से कहा कि इस निर्णय का कड़ाई से पालन कराया जाय। उन्होंने कागज के कप, वाटर डिस्पेंसर, तांबे और स्टील की बोतलों और गिलास के प्रयोग को प्रोत्साहित करने को कहा। राज्यपाल श्रीमती मौर्य ने ऑफिस स्टेशनरी में अन्य प्रकार के प्लास्टिक का प्रयोग भी कम से कम करने के निर्देश दिये। राज्यपाल ने कहा कि राजभवन पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण उन्मूलन के लिए हर प्रकार के ''ग्रीन स्टेप्स'' उठायेगा।

राज्यपाल श्रीमती मौर्य ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे सिंगल यूज प्लास्टिक का पूर्ण रूप से परित्याग करें। उन्होंने कहा कि पालीथीन और सिंगल यूज प्लास्टिक की सामाग्री के विकल्प में कपड़े और अन्य पर्यावरण अनुकूल सामग्रीयों का प्रयोग करना प्रारम्भ करें। ऐसा करके स्थानीय कुटीर उद्योग को बढ़ावा दिया जा सकता है।

.....0.....